पाठ्य सामग्री
द्वितीय पत्र, भूगोल, B.A. Part-I (Hons)
(एशिया - प्रादेशिक अध्ययन)
Industrial Belt of Japan

(4) - c

136

Industrial Belt of Japan

जापान के अधिकांश उद्योग धन्धे जापान की औद्योगिक पेटी में फैले हुए हैं। यह औद्योगिक पेटी क्यूशू द्वीप के नागासाकी नगर से लेकर टोकियो नगर तक जापान के दक्षिणी पूर्वी तट के सहारे 2 फैली हुई है। इसकी लम्बाई 960 km है। इस पेटी में जापान के 93% उद्योग धन्धे स्थित हैं। यह पेटी जापान की सबसे घनी आबादी वाला क्षेत्र है जहाँ जापान के औद्योगिक मजदूरों का 64% भाग विभिन्न उद्योग धन्धों में लगा हुआ है। इस औद्योगिक पेटी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके अन्दर जापान की सभी बड़े 2 विकसित एवं महत्वपूर्ण नगर स्थित हैं। सामुद्रिक स्थिति होने के कारण यहाँ अनेक बंदरगाह बने हुए हैं, जहाँ से विदेशों से कच्चा माल आयात करने तथा विदेशों को तैयार माल निर्यात करने की सुविधा है। इस पेटी में विभिन्न साधनों का विकास किया हुआ है। इस पेटी के 70 भाग में कोयले के क्षेत्र भी स्थित हैं तथा यहाँ जल विद्युत का विकास भी अधिक हुआ है। इससे सस्ती विद्युत शक्ति मिल जाती है। जापान के प्रमुख औद्योगिक केन्द्र भी इसी पेटी में स्थित हैं। इस पेटी में जापान के प्रमुख उद्योग धन्धे - सूती वस्त्र, लोहा-इस्पात, रेशमी वस्त्र, ऊनी वस्त्र, जलयान उद्योग, रासायनिक पदार्थ, कागज, सिमेन्ट, खिलौना तथा कांच का समान इत्यादि विकसित हैं।

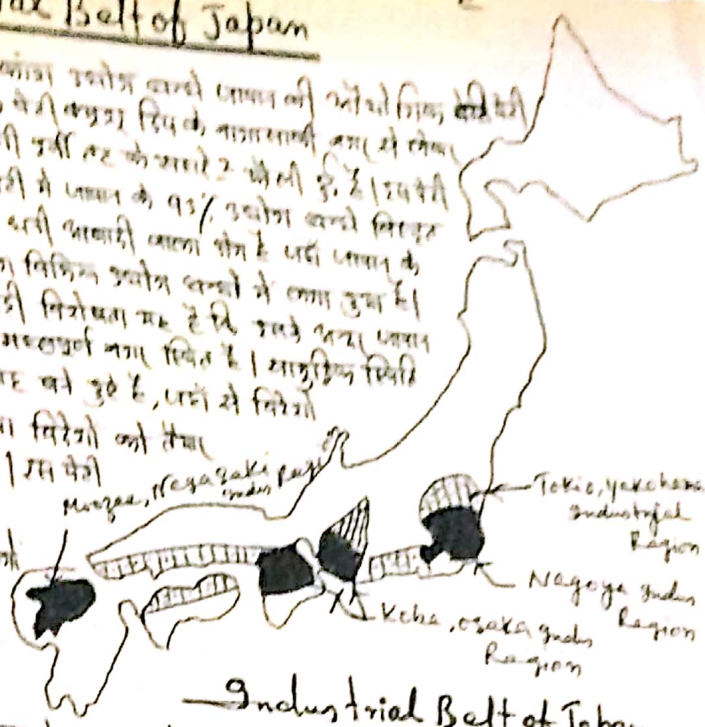

Industrial Belt of Japan

इस औद्योगिक पेटी में चार प्रमुख केन्द्र हैं, जो कि प्रसिद्ध औद्योगिक प्रदेश हैं।

1 — **TOKIYO YAKOHAMA REGION** :→ यह प्रदेश जापान के पूर्वी तट पर सागामी खाड़ी के आस-पास स्थित है। इस प्रदेश से जापान के कुल औद्योगिक उत्पादन का 32% भाग उत्पन्न होता है। जापान के प्रसिद्ध क्वान्टो मैदान में स्थित इस प्रदेश को सस्ते मजदूर, कच्चा माल, एवं परिवहन के सस्ते साधनों की सुविधा है। क्वान्टो मैदान रेशम उत्पादन में जापान का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है अतएव इस प्रदेश में रेशम धागा एवं रेशमी वस्त्र उद्योग बहुत विकास कर गया है। जापान के कुल रेशमी वस्त्र उद्योग उत्पादन का 57% भाग इसी प्रदेश में तैयार किया जाता है। युद्ध काल से पूर्व यहाँ सैनिक वस्तुएं तथा लोहा एवं इस्पात अधिक बनाया जाता था लेकिन आज-कल इस प्रदेश में हल्की वस्तुएं तथा दैनिक प्रयोग का समान अधिक तैयार किया जाता है। विद्युत उपकरण निर्माण व्यवसाय भी यहाँ अधिक विकसित हो गया है। अन्य प्रमुख उद्योग-धन्धों में सूती वस्त्र, नकली रेशम, मशीन, चमड़ा, खिलौना, रसायनिक पदार्थ, रबड़, घड़ियाँ, कागज उद्योग इत्यादि महत्वपूर्ण हैं। ज्वालामुखी व भूकम्प क्षेत्र होने के कारण इस प्रदेश में विशेष कारखाने नहीं बन सकते हैं। इस लिए छोटे 2 उद्योग धन्धों की विविधता इस प्रदेश की मुख्य विशेषता है।

टोकियो इस प्रदेश का मुख्य औद्योगिक केन्द्र है। यह विश्व का सबसे बड़ा नगर है। यह सगामी खाड़ी पर स्थित है। बंदरगाह तक बड़े 2 जलयान नहीं पहुंच पाते हैं। इस लिए निकट याकोहामा बंदरगाह अधिक विकसित कर दिया गया है। याकोहामा इस प्रदेश का मुख्य औद्योगिक केन्द्र है। तथा यहां से इस प्रदेश का अधिकांश आयात तथा निर्यात होता है। अन्य औद्योगिक केन्द्रों में ओमिया, हिमाजू, ओडावरा, योकोसूका, मिनातो, योशी, क्वासूरा आदि हैं।

Scanned with CamScanner

2. — KOBE OSAKA REGION :→ यह जापान का सबसे बड़ा औद्योगिक प्रदेश है तथा जापान के कुल औद्योगिक उत्पादन का 33% माल उत्पन्न किया जाता है। इस प्रदेश में सूती वस्त्र उद्योग प्राचीन काल से ही विकसित हो गया है तथा आज का यह जापान का सबसे बड़ा सूतीवस्त्र उत्पादन क्षेत्र है। इस प्रदेश से जापान के कुल सूती वस्त्र उत्पादन का 58% भाग उत्पन्न किया जाता है। OSAKA इस प्रदेश का सबसे बड़ा औद्योगिक केन्द्र है, जहाँ से जापान के कुल सूतीवस्त्र उत्पादन का लगभग 37% भाग तैयार किया जाता है। इस नगर में अनेक सूती तथा ऊनी वस्त्र उत्पादन के केन्द्र हैं। प्रमुख सूतीवस्त्र उत्पादन क्षेत्र होने के कारण ही ओसाका पूर्व का मैनचेस्टर कहलाता है।

कोबे इस प्रदेश का दूसरा प्रमुख औद्योगिक केन्द्र तथा सुन्दर बन्दरगाह है। इस बंदरगाह से इस प्रदेश का अधिकांश व्यापार होता है यहाँ जलयान निर्माण, चिया सलाई, रबर की वस्तुएं तथा सिमेन्ट व्यवसाय अधिक विकास कर गया है। ओसाका में सूती वस्त्र के अलावे ऊनी वस्त्र, रेशमी वस्त्र, छोटी बड़ी मशीनें, लोहा एवं इस्पात उद्योग विकसित है। क्यूटो में ऊनी, रेशमी वस्त्र, तथा कला कौशल की वस्तुओं का उत्पादन केन्द्र है। जापान के कुल खिलौना व्यवसाय तथा कला कौशल के वस्तुओं के 30% भाग का उत्पादन क्यूटो नगर में ही होता है। अन्य औद्योगिक नगरों में हिमेजी, नारा, सकाई, वाकायामा तथा हकाना इत्यादि है।

3. — NAGOYA REGION :→ यह प्रदेश ओवारी खाड़ी के तटीय भागों में स्थित है। यह नोबी मैदान का प्रमुख औद्योगिक प्रदेश है जहाँ से जापान का कुल औद्योगिक उत्पादन का 13% माल तैयार किया जाता है। इस प्रदेश का सबसे प्रसिद्ध एवं विकसित उद्योग ऊनी वस्त्र उद्योग है। जापान के कुल ऊनी वस्त्र उद्योग का यहाँ से 56% माल तैयार होता है। अन्य प्रमुख उद्योग धन्धों में रेशमी वस्त्र, सूतीवस्त्र, बर्तन बनाना, रसायनिक पदार्थ बनाना इत्यादि उद्योग है।

नागोया इस प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक केन्द्र है। योक्काइची इस प्रदेश का मुख्य बन्दरगाह है जहाँ से आयात एवं निर्यात किया जाता है। अन्य औद्योगिक केन्द्रों में हामामात्सु, कवाना, गीफू, तयू, टोकोरोयो, कोमोहाशी आदि है।

4. — NAGASAKI MOJI REGION :→ यह प्रदेश क्यूशू द्वीप के उ० भाग में विस्तृत है। इस लिए इसे उ० क्यूशू प्रदेश भी कहते हैं। यह नागासाकी नगर से मोजी नगर तक फैला हुआ है। इस प्रदेश से जापान के कुल औद्योगिक उत्पादन का 15% माल उत्पन्न किया जाता है। इस प्रदेश की सबसे बड़ी सुविधा यह है कि कोयला यहाँ निकट ही चिकुहो तथा मिके की खानों से मिल जाता है। लौह धातु मंचूरिया आदि से मिल जाता है। इस प्रदेश में लौह इस्पात सबसे अधिक विकसित हो गया है। यहाँ लोहे की अनेक भट्टियाँ मिलती हैं। यह प्रदेश जापान के कुल कच्चा लोहा उत्पादन का 68% तथा इस्पात उत्पादन का 76% माल तैयार करता है। इस प्रदेश की प्रमुख औद्योगिक केन्द्र नागासाकी यवाता, सासेब, करात्सू, फुकोका, मोजी, ओमूटा, कुमामोटू आदि है। इस प्रदेश में जलयान, वायुयान, रेल इन्जन-डिब्बे, बड़ी-2 मशीनें एवं पुर्जे, परिवहन उपकरण, कृषि यंत्र एवं इस्पात पिण्ड आदि बनाये जाते हैं। 1965 से यवाता विश्व का सबसे बड़ा जलयान केन्द्र है। इसके अलावे कांच का सामान, रासायनिक पदार्थ, सीमेन्ट, कागज उद्योग तथा तेल शोधक कार्य प्रमुख है।

Scanned with CamScanner